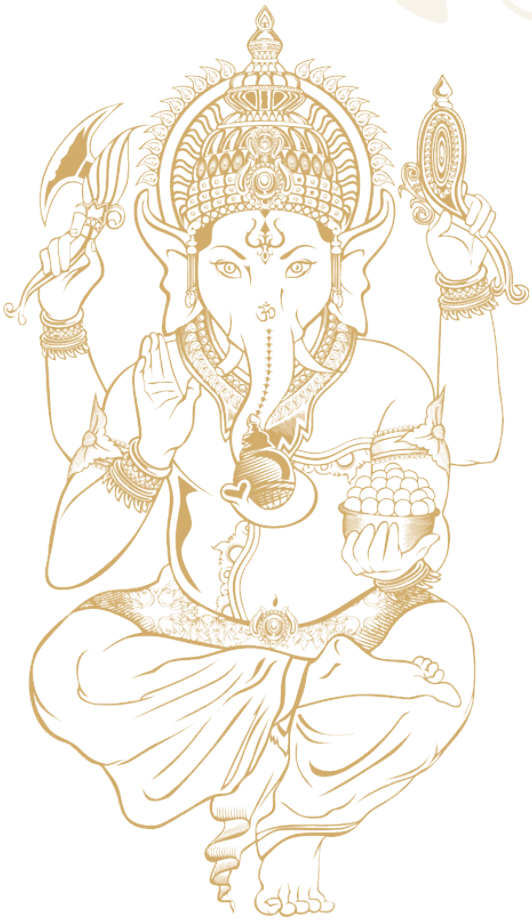

Mr. Amit

30 Aug 1987

04:50 AM

Rajpur

Model: Varshphal-2017

Order No: 120559201

तिथि 30/08/1987 **समय** 04:50:00 **वार** रविवार **स्थान** Rajpur **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:41:04
अक्षांश 22:11:00 उत्तर **रेखांश** 74:24:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:32:24 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	02:48:07 घं	गण	देव
वेलान्तर	00:00:49 घं	योनि	महिष
सूर्योदय	06:14:12 घं	नाड़ी	अन्त्य
सूर्यास्त	18:52:24 घं	वर्ण	शूद्र
चैत्रादि संवत	2044	वश्य	मानव
शक संवत	1909	वर्ग	मृग
मास	भाद्रपद	युँजा	मध्य
पक्ष	शुक्ल	हंसक	वायु
तिथि	6	जन्म नामाक्षर	रो-रोहित
नक्षत्र	स्वाति	पाया(रा.-न.)	लौह-रजत
योग	ब्रह्म	होरा	शुक्र
करण	कौलव	चौघड़िया	शुभ

विंशोत्तरी
राहु 6वर्ष 5मा 9दि
शनि
07/02/2010
07/02/2029

शनि	10/02/2013
बुध	21/10/2015
केतु	29/11/2016
शुक्र	30/01/2020
सूर्य	11/01/2021
चन्द्र	12/08/2022
मंगल	21/09/2023
राहु	28/07/2026
गुरु	07/02/2029

योगिनी
पिंगला 0वर्ष 8मा 18दि
धान्या
17/05/2024
18/05/2027

धान्या	17/08/2024
भ्रामरी	16/12/2024
भद्रिका	17/05/2025
उल्का	16/11/2025
सिद्धा	17/06/2026
संकटा	16/02/2027
मंगला	18/03/2027
पिंगला	18/05/2027

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			22:35:00	कर्क	आश्लेषा	2	बुध	चंद्र	---	0:00			
सूर्य			12:23:45	सिंह	मघा	4	केतु	बुध	मूलत्रिकोण	1.41	पुत्र	पितृ	प्रत्यारि
चंद्र			15:13:36	तुला	स्वाति	3	राहु	शुक्र	सम राशि	1.27	भ्रातृ	मातृ	जन्म
मंगल		अ	10:51:44	सिंह	मघा	4	केतु	शनि	मित्र राशि	1.15	ज्ञाति	भ्रातृ	प्रत्यारि
बुध		अ	21:34:11	सिंह	पू०फाल्गुनी	3	शुक्र	गुरु	मित्र राशि	0.96	आत्मा	ज्ञाति	साधक
गुरु	व		05:52:33	मेष	अश्विनी	2	केतु	राहु	मित्र राशि	1.02	कलत्र	धन	प्रत्यारि
शुक्र		अ	14:13:58	सिंह	पू०फाल्गुनी	1	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि	0.78	मातृ	कलत्र	साधक
शनि			20:56:25	वृश्चि	ज्येष्ठा	2	बुध	शुक्र	शत्रु राशि	1.61	अमात्य	आयु	क्षेम
राहु			08:52:14	मीन	उ०भाद्रपद	2	शनि	शुक्र	सम राशि		---	ज्ञान	विपत
केतु			08:52:14	कन्या	उ०फाल्गुनी	4	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि		---	मोक्ष	वध

लग्न-चलित

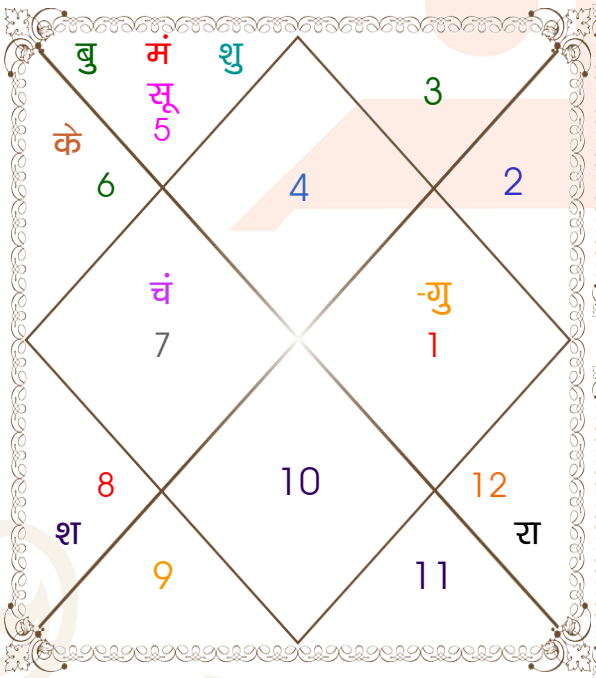

चन्द्र कुंडली

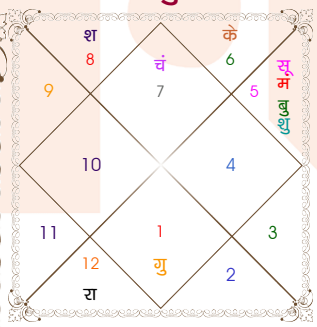

नवमांश कुंडली

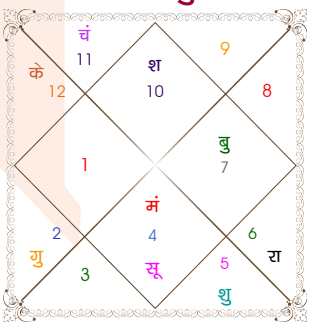

सर्वाष्टकवर्ग

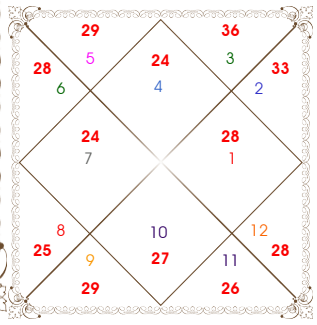

दशमांश कुंडली

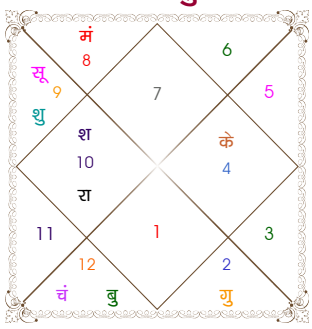

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा यदा कदा मानसिक रूप से आप कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक स्थिति भी सामान्य ही रहेगी तथा उद्विग्नता एवं चंचलता का भाव भी विद्यमान रहेगा। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि इस समय मध्यम रहेगी तथा पारिवारिक जनों से सामान्य सहयोग मिलता रहेगा। संतति पक्ष से भी आप सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में वे उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। ज्ञानार्जन में इस समय आपकी पूर्ण रूचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक विभिन्न शास्त्रों का अध्ययन करने या वैज्ञानिक शोध कार्य के प्रति आपका विशेष ध्यान रहेगा। धर्म के प्रति आपके मन में सामान्य श्रद्धा रहेगी तथा अवसरानुकूल आप धार्मिक कार्यो को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही धार्मिक नेताओं से सम्पर्क या तीर्थ यात्रा की भी संभावना रहेगी। इस समय आपके कार्य बुद्धिमता तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे तथा लोग आप पर काफी विश्वास रखेंगे जिससे सामाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी ।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए समय मध्यम रहेगा तथा परिश्रम एवं संघर्ष से आपको सफलता मिलेगी। साथ ही लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति में आपकी उन्नति होगी परन्तु इस समय आप आवास या स्थान संबधी परिवर्तन भी कर सकते हैं। शत्रु या विरोधी पक्ष भी यद्यपि समस्याएं उत्पन्न करेंगे परन्तु अन्त में उन पर विजय प्राप्त करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय सामान्यतया अच्छी रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। साथ ही अल्प मात्रा में कोई विशेष लाभ भी हो सकता है। अतः यह वर्ष आपके लिए सामान्यतया शुभ रहेगा तथापि परिश्रम से ही कार्यो कलापों में सिद्धि प्राप्त हो सकेगी।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष अच्छा नहीं रहेगा तथा शारीरिक अस्वस्थता एवं परेशानी से आप कष्ट की अनुभूति करेंगे । इस समय आप में दुर्बलता का भाव विद्यमान रहेगा तथा स्वभाव में क्रोध की भी अधिकता रहेगी। मानसिक रूप से भी आप उद्विग्नता तथा अशान्ति की अनुभूति करेंगे। इस वर्ष शत्रु पक्ष से आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे एवं वे आपके लिए समय समय पर अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे। साथ ही आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्य भी परिश्रम से ही सम्पन्न होंगे। मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके संबंध तनाव पूर्ण रहेंगे तथा उनसे आपको अल्प सुख या सहयोग प्राप्त होगा तथा दाम्पत्य सुख में भी इस समय अल्पता की अनुभूति होगी । इसके अतिरिक्त विगत रूके हुए कार्य तथा मानसिक संकल्प भी आपके अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष प्रतिकूल रहेगा इस समय व्यापार में समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा हानि की भी संभावना रहेगी। साथ ही लाभ मार्ग भी अवरूद्ध होंगे अतः इस समय किसी नवीन कार्य को प्रारंभ न करें। नौकरी या राजनीति में भी आपके वरिष्ठ नेता या अधिकारी वर्ग आपके लिए समस्याएं उत्पन्न करेंगे अतः इनसे सावधान रहें तथा विनम्रता पूर्वक इनकी आज्ञा का पालन करें। सामाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश में भी इस समय अल्पता रहेगी तथा मिथ्या वाद से मान हानि की भी संभावना रहेगी। इसके अतिरिक्त आर्थिक दृष्टि से भी आपको समय समय पर परेशानी रहेगी। अतः धैर्य एवं परिश्रम पूर्वक अपना समय व्यतीत करें तथा विशेष शुभ फलों की अपेक्षा न करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ तथा परेशान रहेंगे फलतः शरीर में दुर्बलता रहेगी जिससे शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को सम्पन्न करने में आपको असुविधा रहेगी। साथ ही आपको कई बार अपने ही कार्यो से हानि भी हो सकती है जिससे आपको बाद में पछतावा होगा। इस समय मित्र एवं संबधियों से भी आपके संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा उनसे तनाव तथा कलह का वातावरण रहेगा फलतः उनसे आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। इस वर्ष में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत परिश्रम एवं पराक्रम से ही सफल होंगे परन्तु यह सफलता भी आंशिक रहेगी जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा चिन्तित रहेंगे।

इस समय आपके शत्रु भी अधिक मात्रा में उत्पन्न होंगे तथा उनसे आप अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान प्राप्त करेंगे। साथ ही घर में किसी प्रकार की चोरी आदि की भी संभावना रहेगी ।अतः ऐसे समय में आपको सावधान रहना चाहिए। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको विशेष लाभ एवं सहयोग नहीं मिलेगा तथा वे आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आपका व्यय भी अधिक होगा तथा धन हानि की भी संभावना रहेगी तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में भी व्यवधान रहेगा एवं विगत रूके हुए कार्यो में भी असफलता मिलेगी । इस समय आपके मन में भ्रान्तियां भी अधिक होंगी फलतः अन्य जनों से विवाद होता रहेगा। अतः इस वर्ष को संयम एवं धैर्यपूर्वक व्यतीत करें।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे।साथ ही मानसिक स्थिति भी आपकी मध्यम ही रहेगी तथा मन में चंचलता तथा उद्विग्नता का भाव विद्यमान रहेगा।शत्रु पक्ष से इस समय आप चिंतित रहेंगे तथा उनसे आपको समय समय पर परेशानियां उत्पन्न होंगी अतःशत्रु एवं विरोधियों से आपको सावधान रहना चाहिए।सामाजिक मान प्रतिष्ठा भी इस समय मध्यम रहेगी तथा मिथ्यावाद के कारण आपको कोई परेशानी हो सकती है।मित्र एवं संबधियों से इस समय संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा लाभ भी अल्प मात्रा में प्राप्त होगा ।साथ ही आपके कार्यों में व्यवधान आएंगे तथा मानसिक संकल्प भी न्यूनाधिक रूप से अपूर्ण ही रहेंगे।

व्यापारिक क्षेत्र में फक वर्ष आपको हानि का भी सामना करना पड़ सकता है। साथ ही नौकरी या कार्य क्षेत्र में भी उन्नति के मार्ग अवरूद्ध होंगे तथा इसमें कोई समस्या भी उत्पन्न हो सकती है। अतः सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से इस समय पूर्ण सावधान रहें तथा विनम्रता पूर्वक उनकी आज्ञा का पालन करें अन्यथा आपके लिए कोई अनावश्यक समस्या उत्पन्न हो सकती है। इसके साथ ही वाहन सुख की भी इस वर्ष में न्यूनता रहेगी। अतः संयम एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें जिससे अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न न हो सकें।

प्रथम मास

29/08/2025 22:27:49 से 29/09/2025 17:41:30 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	भरणी	22:19:08
सूर्य		सिंह	मघा	12:23:45
चन्द्र		तुला	विशाखा	25:20:46
मंगल		कन्या	हस्त	20:12:38
बुध		कर्क	आश्लेषा	28:37:19
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	23:14:24
शुक्र		कर्क	पुष्य	10:35:30
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	05:57:49
राहु		कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:10:18
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	24:10:18
मुंथा		कन्या	हस्त	22:35:00

मासाधिपति

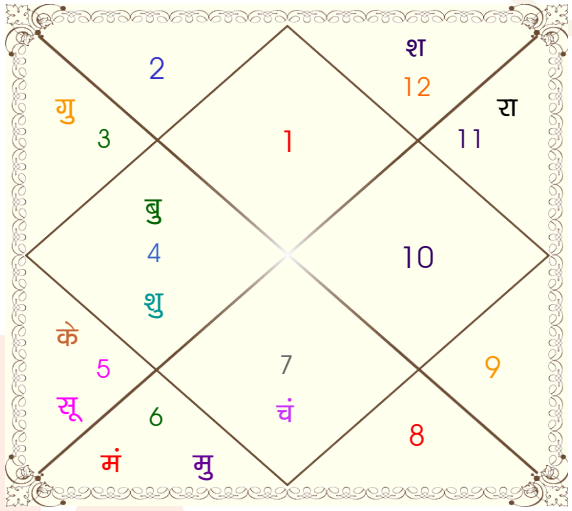

मासाधिपति : गुरु

इस मास में आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ तथा दुर्बलता की अनुभूति करेंगे। साथ ही आपके शत्रु भी उत्पन्न होंगे जिससे अनावश्यक चिन्ताएं तथा समस्याएं बढ़ेंगी। इस समय चोरों से भी सावधान रहना चाहिए तथा अपने उच्चाधिकारी वर्ग की भी उपेक्षा न करें अन्यथा आप दंडित हो सकते हैं। इस मास में आपको सांसारिक कार्यों में भी असफलता मिलेगी तथा धन भी अनावश्यक रूप से व्यय होगा। इसके साथ ही आप किसी गलत कार्य को करने के लिए भी प्रेरित होंगे तथा ऐसे कार्यों को करके आप बाद में पश्चाताप करेंगे। अपने सम्बन्धियों से भी आपकी अनबन हो सकती है तथा मान हानि का भी योग बनता है एवं आशाओं में भी असफलता प्राप्त होगी।

परन्तु उपरोक्त अशुभ फलों के साथ साथ इस मास में अल्प मात्रा में शुभ फल भी प्राप्त करेंगे। इससे आप स्त्री से सुखी , बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि तथा अन्य प्रकार के सुख प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा का भाव विद्यमान रहेगा तथा किसी धार्मिक कार्य को भी सम्पन्न करेंगे।

द्वितीय मास

29/09/2025 17:41:30 से 30/10/2025 00:29:39 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	पू०भाद्रपद	00:12:29
सूर्य		कन्या	हस्त	12:23:45
चन्द्र		धनु	मूल	06:56:03
मंगल		तुला	स्वाति	10:37:57
बुध		कन्या	चित्रा	24:35:06
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	28:03:40
शुक्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	18:01:00
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	03:39:13
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:57:11
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	23:57:11
मुंथा		कन्या	चित्रा	25:05:00

मासाधिपति

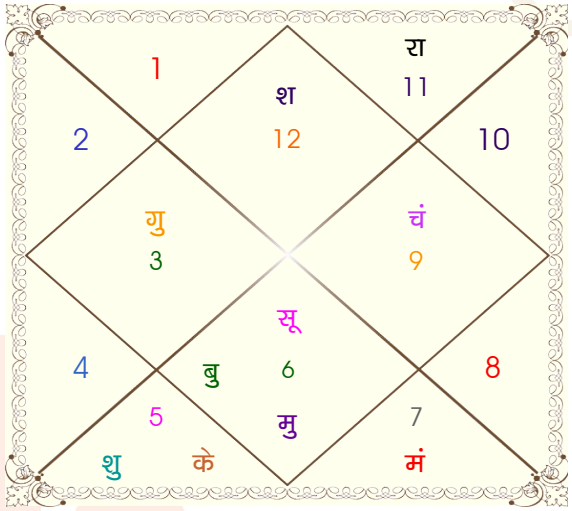

मासाधिपति : बुध

यह मास आपके लिए काफी अशुभ एवं परेशानी उत्पन्न करने वाला होगा। इस समय आप स्त्री पक्ष तथा बन्धु जनों से कष्ट प्राप्त करेंगे एवं शत्रुओं की ओर से भी नित्य चिन्ता एवं भय का वातावरण बना रहेगा। आपके उत्साह में भी इस मास अल्पता रहेगी एवं धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा।जिससे आर्थिक परेशानी हो सकती है।साथ ही आप शरीर से भी अस्वस्थ रहेंगे तथा मन में लोभ के भाव की प्रबलता रहेगी। स्वबन्धुजनों से भी आपके सम्बन्धों में मधुरता का अभाव रहेगा एवं तनाव का भाव रहेगा जिससे मित्र भी शत्रु के समान व्यवहार करेंगे। अतः मानसिक तनाव से आप ग्रस्त रहेंगे। इसके अतिरिक्त समाजिक जनों से विवाद या संघर्ष की स्थिति भी उत्पन्न हो सकती है अतः सावधानी पूर्वक समय अनुसार चलने का प्रयत्न करें।

साथ ही इस मास में आप गर्मी तथा पित्तजनित दोषों से शारीरिक अस्वस्थता प्राप्त करेंगे एवं रक्त सम्बन्धी विकार से भी आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त शारीरिक सुरक्षा का ध्यान रखें तथा दुर्घटना से भी बचें। इस मास में अग्नि से भी किसी प्रकार की हानि हो सकती है।अतः यह मास आपके लिए सामान्यतया कष्टदायक रहेगा।

तृतीय मास
30/10/2025 00:29:39 से 28/11/2025 20:03:21 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	आश्लेषा	18:11:16
सूर्य		तुला	स्वाति	12:23:45
चन्द्र		मकर	श्रवण	13:41:06
मंगल		वृश्चिक	विशाखा	01:40:43
बुध		वृश्चिक	अनुराधा	06:06:59
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	00:39:41
शुक्र		कन्या	चित्रा	25:35:11
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	01:40:53
राहु		कुम्भ	पू०भाद्रपद	22:47:28
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	22:47:28
मुंथा		कन्या	चित्रा	27:35:00

मासाधिपति

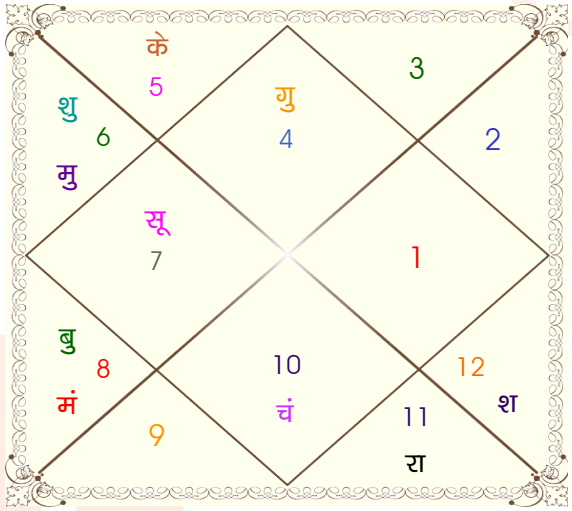

मासाधिपति : मंगल

इस महीने में आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार के सुखों को प्राप्त करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज एवं समाजिक जनों के मध्य यशार्जन करने में भी आप समर्थ रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना विद्यमान रहेगी तथा श्रद्धापूर्वक आप इनका पूजन तथा सम्मान करेंगे। साथ ही अन्य जनों का परोपकार करने के लिए भी आप उद्यत रहेंगे। आपका स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा तथा किसी भी प्रकार से आप शारीरिक या मानसिक कष्ट प्राप्त नहीं करेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे तथा उनके आश्रय से समाज में ख्याति अर्जित करेंगे।मित्र एवं भाइयों से इस मास आपको उचित सहयोग तथा सुख भी प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त आपके मानसिक संकल्प भी इस समय पूर्ण होंगे।

साथ ही इस मास में आप उच्चाधिकारी वर्ग से पूर्ण सहयोग तथा लाभ प्राप्त करेंगे एवं अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सफल बनाने में समर्थ रहेंगे। इस समय आप दूर या समीप की यात्रा भी कर सकते हैं जिससे आपको लाभ होगा। इसके अतिरिक्त नवीन वस्त्र तथा द्रव्यों को भी आप प्राप्त करेंगे या इनसे युक्त होंगे। अतः यह मास आपके लिए विशेष शुभ एवं आनंददायक रहेगा।

चतुर्थ मास
28/11/2025 20:03:21 से 28/12/2025 08:25:24 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	15:25:33
सूर्य		वृश्चिक	अनुराधा	12:23:45
चन्द्र		कुम्भ	शतभिषा	16:14:39
मंगल		वृश्चिक	ज्येष्ठा	23:18:08
बुध	व	तुला	विशाखा	26:36:11
गुरु	व	कर्क	पुनर्वसु	00:27:25
शुक्र		वृश्चिक	विशाखा	02:58:08
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	00:56:16
राहु		कुम्भ	पू०भाद्रपद	20:07:15
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	20:07:15
मुंथा		तुला	चित्रा	00:05:00

मासाधिपति

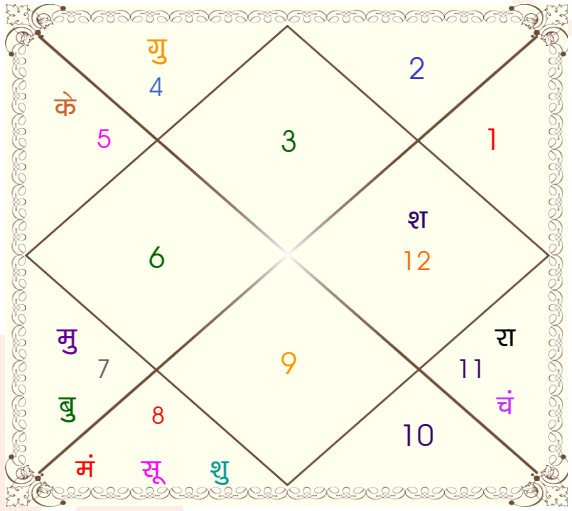

मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ फल प्रद ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता बनी रहेगी तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप बुद्धि बल से ही सम्पन्न करेंगे। इस मास आप पुत्र से सुख प्राप्त करेंगे एवं अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ भी होगा। आपके प्रभुत्व की इस समय वृद्धि होगी तथा सभी लोग हृदय से आपके प्रभुत्व को स्वीकार करेंगे। इसके अतिरिक्त आपके कई शुभ कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे तथा कहीं से कोई शुभ एवं महत्वपूर्ण समाचार की प्राप्ति भी होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना पैदा होगी एवं आप श्रद्धा पूर्वक इनकी पूजा तथा सेवा करने के लिए तत्पर रहेंगे। इसके अतिरिक्त सरकार या उच्च अधिकारी वर्ग से भी आप अनुकूल एवं वांछित लाभ प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी तथा मानसिक चिन्ताओं से भी मुक्ति मिलेगी।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी होंगे जिसके प्रभाव से आप गर्मी या पितादि दोषों से उत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे एवं रक्त विकार होने की भी संभावना रहेगी। अतः इस मास में आपको शारीरिक सुरक्षा के प्रति भी सजग रहना चाहिए।

पंचम् मास
28/12/2025 08:25:24 से 26/01/2026 19:23:04 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	उत्तराषाढ़ा	29:49:58
सूर्य		धनु	मूल	12:23:45
चन्द्र		मीन	उ०भाद्रपद	16:29:45
मंगल		धनु	पूर्वाषाढ़ा	15:29:59
बुध		वृश्चिक	ज्येष्ठा	28:33:36
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	27:38:05
शुक्र		धनु	मूल	10:06:17
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	01:43:53
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	17:02:27
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	17:02:27
मुंथा		तुला	चित्रा	02:35:00

मासाधिपति

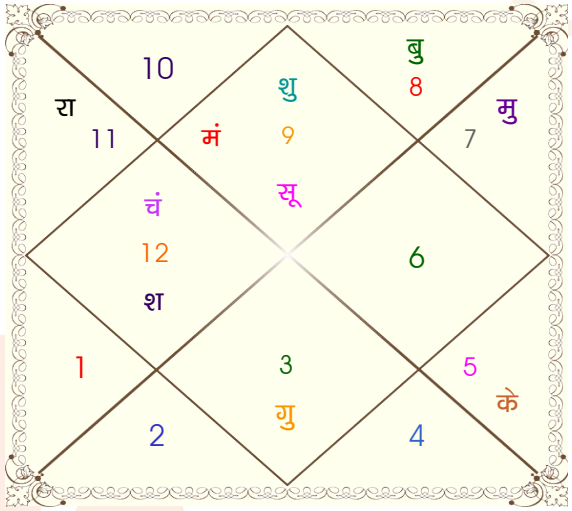

मासाधिपति : गुरु

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय आप स्त्री वर्ग से पूर्ण लाभ एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे जिससे आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे ।सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से लाभार्जन करने में भी इस मास में सफलता प्राप्त करेंगे ।शारीरिक रूप से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे तथा मन भी प्रसन्नता से युक्त रहेगा। अध्ययन या ज्ञानार्जन में भी आपकी तीव्र रूचि रहेगी। मित्रों तथा संबधियों से आपके संबध मधुर एवं घनिष्ठ रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस मास आपको वांछित द्रव्यों की प्राप्ति होगी जिसके उपभोग से आप सुखी तथा निश्चिंत रहेंगे। साथ ही बन्धु वर्ग में प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा असफल आशाओं में भी आप सफलता प्राप्त करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य महिला सहयोगियों से भी वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे जिससे आपके कई शुभ कार्य सिद्ध होंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा उचित धन लाभ एवं सुख प्राप्त करने में भी आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा समाज में आप पूर्ण यश अर्जित करने में सफल रहेंगे।

षष्ठ मास

26/01/2026 19:23:04 से 25/02/2026 11:03:43 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	आश्लेषा	27:51:13
सूर्य		मकर	श्रवण	12:23:45
चन्द्र		मेष	भरणी	17:20:50
मंगल		मकर	उत्तराषाढ़ा	08:16:01
बुध		मकर	श्रवण	15:46:19
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	23:46:11
शुक्र		मकर	श्रवण	17:08:56
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	03:53:56
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	15:11:55
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	15:11:55
मुंथा		तुला	चित्रा	05:05:00

मासाधिपति

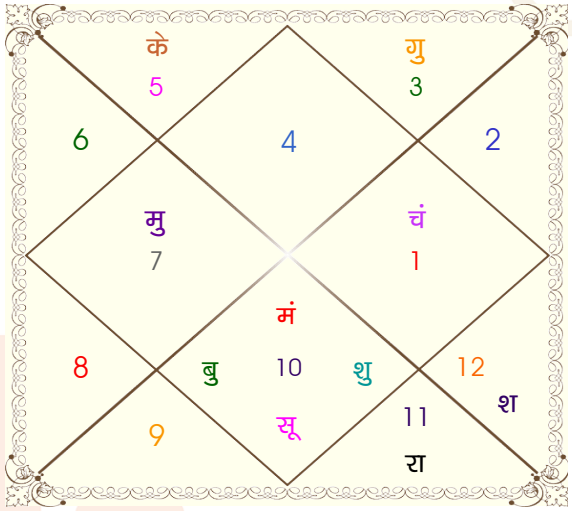

मासाधिपति : मंगल

यह मास आपके लिए सामान्यतया अच्छा नहीं रहेगा तथापि न्यूनाधिक रूप से आप शुभ फलों को भी प्राप्त करेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं कई प्रकार से आप शारीरिक कष्टानुभूति करगें। आपके शत्रु भी इस मास प्रबल रहेंगे फलतः उनकी ओर से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रूप से आप असन्तुष्ट तथा अशान्त रहेंगे। इस समय आपके व्यापार या आजिविका संबधी कार्य में शिथिलता आएगी तथा इनसे आपको पूर्ण लाभ नहीं होगा। साथ ही आपका कोई कार्य बन्द हो सकता है या उसमें किसी प्रकार का परिर्वतन हो सकता है। इसके अतिरिक्त अन्य सामाजिक जनों से आपका परस्पर वाद विवाद भी हो सकता है। जिससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में न्यूनता आऐगी। इसके अतिरिक्त धन हानि का भी योग बनता है तथा शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी अवश्य अर्जित करेंगे। अतः स्त्री एवं पुत्र से पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे तथा इनसे आप सन्तुष्ट रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि की भी प्राप्ति करने में सफल रहेंगे। इस प्रकार आपके लिए यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

सप्तम् मास
25/02/2026 11:03:43 से 27/03/2026 12:27:26 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	कृतिका	28:58:25
सूर्य		कुम्भ	शतभिषा	12:23:45
चन्द्र		वृष	रोहिणी	21:48:19
मंगल		कुम्भ	धनिष्ठा	01:33:01
बुध		कुम्भ	पू०भाद्रपद	28:15:00
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	21:10:44
शुक्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:17:23
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	07:03:14
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:45:15
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:45:15
मुंथा		तुला	स्वाति	07:35:00

मासाधिपति

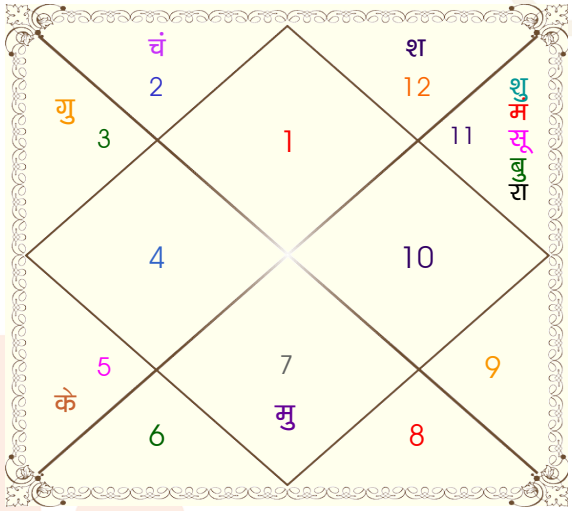

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए काफी अशुभ तथा परेशानियां उत्पन्न करने वाला रहेगा। इस समय आप स्त्री पक्ष तथा बन्धुजनों से कष्ट प्राप्त करेंगे साथ ही आपके शत्रु भी बलवान होंगे जिससे आप उनसे भी भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। इस मास में आपके उत्साह में न्यूनता रहेगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। शारीरिक रूप से भी आप अस्वस्थता की अनुभूति करेंगे एवं मन में लोभ के भाव की प्रबलता रहेगी। मित्रों एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव का वातावरण रहेगा जिसके कारण आपके मित्र भी शत्रु की तरह व्यवहार करेंगे। फलतः मानसिक रूप से आप अत्यंत ही अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य सामाजिक जनों से भी समय समय पर वाद विवाद तथा संघर्ष होते रहेंगे जिससे समाज में भी सम्मान में अल्पता आएगी। अतः सोच समझकर अपना समय व्यतीत करें।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित्त दोषों से अस्वस्थ होंगे फलतः शरीर में निर्बलता रहेगी। इस समय रूधिर विकार भी हो सकता है अतः सावधानी पूर्वक रहें एवं दुर्घटनाओं की उपेक्षा करें। इसके अतिरिक्त इस समय आग के द्वारा भी आपकी क्षति हो सकती है। अतः यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा।

अष्टम् मास
27/03/2026 12:27:26 से 27/04/2026 02:09:34 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	18:05:39
सूर्य		मीन	उ०भाद्रपद	12:23:45
चन्द्र		कर्क	पुनर्वसु	01:38:39
मंगल		कुम्भ	पू०भाद्रपद	25:12:15
बुध		कुम्भ	शतभिषा	16:09:03
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	21:16:52
शुक्र		मेष	अश्विनी	01:36:37
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	10:44:07
राहु		कुम्भ	शतभिषा	14:30:14
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:30:14
मुंथा		तुला	स्वाति	10:05:00

मासाधिपति

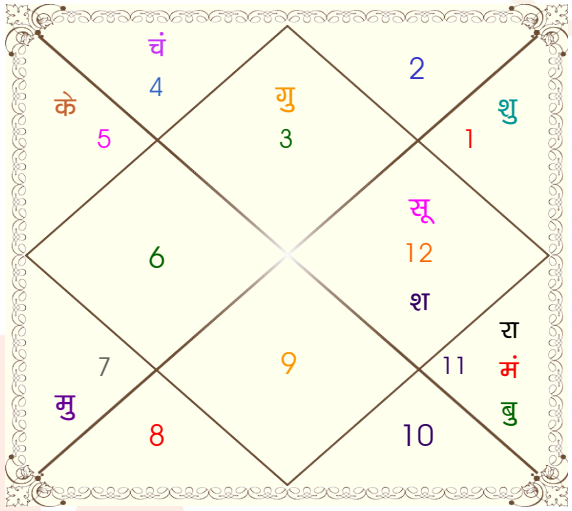

मासाधिपति : शुक्र

यह महीना आपके लिए शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि होगी तथा सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से ही सम्पन्न होंगे। इस मास में संतति पक्ष से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। साथ ही अन्य प्रकार से भी आपको द्रव्य लाभ का योग बनेगा। इस समय समाज में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में सम्पन्न होंगे तथा अच्छे समाचारों को भी आप सुनेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण आस्था रहेगी तथा श्रद्धापूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य या उच्चाधिकारी वर्ग से आप लाभार्जन करने में भी सफल हो सकते हैं। इस समय आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में अभिबृद्धि होगी तथा समस्त मानसिक चिन्ताएं दूर होगी। अतः मन से आप पूर्ण सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे। इस समय आप नवीन वस्त्र या वस्तुओं को प्राप्त करने में भी सफल हो सकते हैं। इस प्रकार यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा।

नवम् मास
27/04/2026 02:09:34 से 28/05/2026 03:30:56 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	धनिष्ठा	26:25:48
सूर्य		मेष	अश्विनी	12:23:45
चन्द्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	16:25:02
मंगल		मीन	रेवती	18:58:12
बुध		मीन	रेवती	24:16:16
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	24:07:45
शुक्र		वृष	कृतिका	09:02:40
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	14:26:53
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	13:08:14
केतु	व	सिंह	मघा	13:08:14
मुंथा		तुला	स्वाति	12:35:00

मासाधिपति

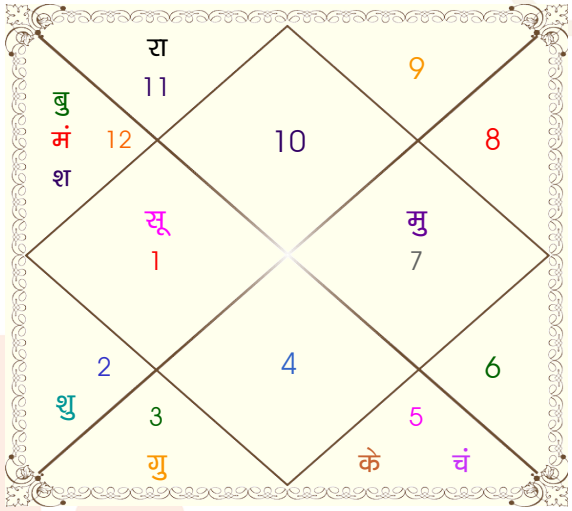

मासाधिपति : शुक्र

इस महीने में आप अपने कार्य क्षेत्र में विशेष सफफलता तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही आपके उच्चाधिकारी भी आपसे पूर्ण सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे जिससे आप पदोन्नति या विशेष लाभ भी प्राप्त कर सकते है। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे तथा उनके परोपकार संबधी कार्यो को करने के लिए तत्पर रहेंगे। आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में इस मास सफलता प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। अतः मन से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा का भाव रहेगा तथा नियम पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इस समय समाज में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता एवं श्रेष्ठता को मन से स्वीकार करेंगे तथा आपको हार्दिक आदर प्रदान करेंगे। आपका यश भी दूर दूर तक व्याप्त रहेगा एवं अन्य स्त्रोतों से भी आप लाभार्जन करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस माह में आप नवीन गृह की प्राप्ति या स्थान परिवर्तन भी कर सकते हैं।साथ ही आपकी मनोकामनाएं भी पूर्ण होंगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे एवं अपने अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को अपनी बुद्धिमता से सम्पन्न करेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप समस्त भौतिक सुख अर्जित करके प्रसन्नता पूर्वक समय को व्यतीत करने में सफल रहेंगे।

दशम् मास
28/05/2026 03:30:56 से 28/06/2026 12:36:00 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	अश्विनी	01:56:42
सूर्य		वृष	रोहिणी	12:23:45
चन्द्र		तुला	चित्रा	04:19:34
मंगल		मेष	अश्विनी	12:29:57
बुध		वृष	मृगशिरा	27:31:39
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	29:04:47
शुक्र		मिथुन	आर्द्रा	16:20:11
शनि		मीन	रेवती	17:39:46
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	10:13:31
केतु	व	सिंह	मघा	10:13:31
मुंथा		तुला	स्वाति	15:05:00

मासाधिपति

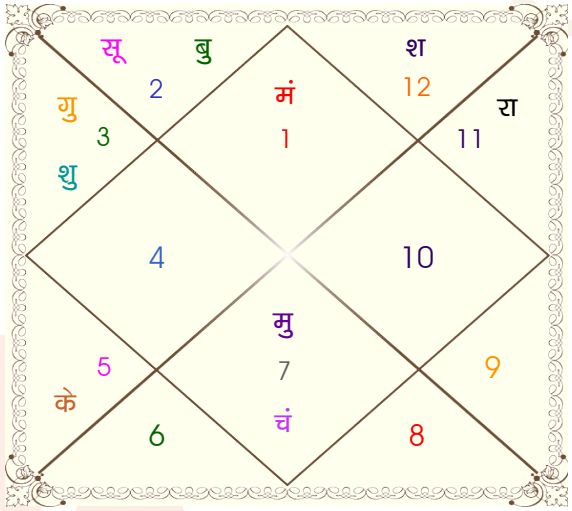

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा अशुभ फलों की अपेक्षा शुभ फल अल्प मात्रा में घटित होंगे। इस समय स्त्री तथा स्त्रीपक्ष से कष्ट प्राप्त करेंगे या पत्नी को किसी प्रकार के कष्ट होने की संभावना रहेगी। साथ ही शत्रुपक्ष से भी आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। इस मास में आपके उत्साह में कमी आएगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा फलतः आर्थिक रूप से भी कमजोर रहेंगे। साथ ही आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत ही परिश्रम के बाद अल्प मात्रा में ही सिद्ध होंगे फलतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा बैचेन रहेंगे। शारीरिक अस्वस्थता के साथ साथ आपके मन में लोलुपता के भाव की भी वृद्धि होगी। अपने बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके अच्छे संबध नहीं रहेंगे एवं परस्पर मनमुटाव रहेगा। ऐसे समय में मित्र भी शत्रुओं के समान व्यवहार करेंगे। इसके अलावा समाज में अन्य लोगों के साथ वाद विवाद तथा संघर्ष होता रहेगा जिससे सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता का भाव रहेगा।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभफल भी घटित होंगे।अतः आप महिला वर्ग से पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही इस समय परिश्रम पूर्वक धनार्जन एवं लाभ प्राप्त करने में भी आप सफलता प्राप्त कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में भी आप की रूचि उत्पन्न होगी तथा समाज में न्यूनाधिक प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे।

एकादश मास

28/06/2026 12:36:00 से 29/07/2026 23:12:44 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	हस्त	12:31:43
सूर्य		मिथुन	आर्द्रा	12:23:45
चन्द्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	23:47:42
मंगल		वृष	कृतिका	05:24:09
बुध		कर्क	पुनर्वसु	01:56:54
गुरु		कर्क	पुष्य	05:21:19
शुक्र		कर्क	आश्लेषा	22:53:24
शनि		मीन	रेवती	19:50:08
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	07:03:24
केतु	व	सिंह	मघा	07:03:24
मुंथा		तुला	स्वाति	17:35:00

मासाधिपति

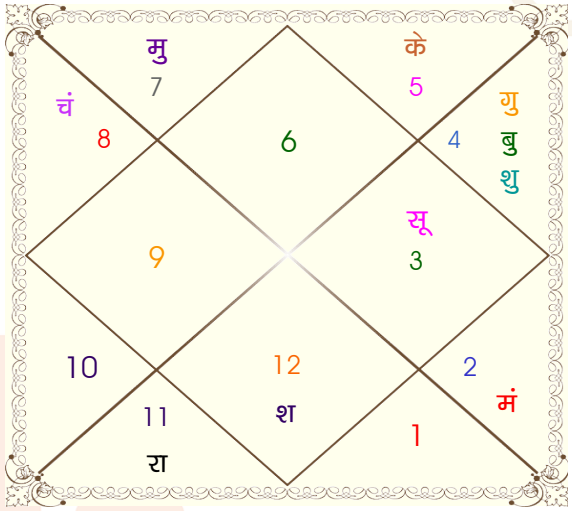

मासाधिपति : बुध

इस मास में आप अपने उत्साह के द्वारा धनार्जन करने में सफल रहेंगे साथ ही समाज में आपको पूर्ण यश तथा सम्मान भी प्राप्त होगा। इस समय आपके परिवार तथा मित्र जनों से मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे आप यथोचित आदर प्राप्त करेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग तथा आश्रय प्राप्त होगा। अतः आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे जिससे मानसिक रूप से आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मिष्ठान्न के प्रति आपकी तीव्र रूचि रहेगी। शारीरिक बल की भी आप में पूर्णता रहेगी एवं शत्रुओं को पराजित करने में आप समर्थ रहेंगे।स्त्री से आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा अतः आपका गृहस्थ जीवन सुखी रहेगा। इसके अलावा व्यापारादि कार्यों से भी आप अतिरिक्त धन अर्जित करने में सफलता प्राप्त करेंगे।

साथ ही इस मास में आप पुत्र तथा स्त्री से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि भी प्राप्त करने में सफल हो सकते है। इस प्रकार यह महीना आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा।

द्वादश मास

29/07/2026 23:12:44 से 30/08/2026 04:41:46 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	रेवती	28:36:30
सूर्य		कर्क	पुष्य	12:23:45
चन्द्र		मकर	श्रवण	13:51:36
मंगल		वृष	मृगशिरा	27:18:23
बुध		मिथुन	पुनर्वसु	23:43:52
गुरु		कर्क	पुष्य	12:13:48
शुक्र		सिंह	उ०फाल्गुनी	27:28:09
शनि	व	मीन	रेवती	20:30:42
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:36:57
केतु	व	सिंह	मघा	05:36:57
मुंथा		तुला	विशाखा	20:05:00

मासाधिपति

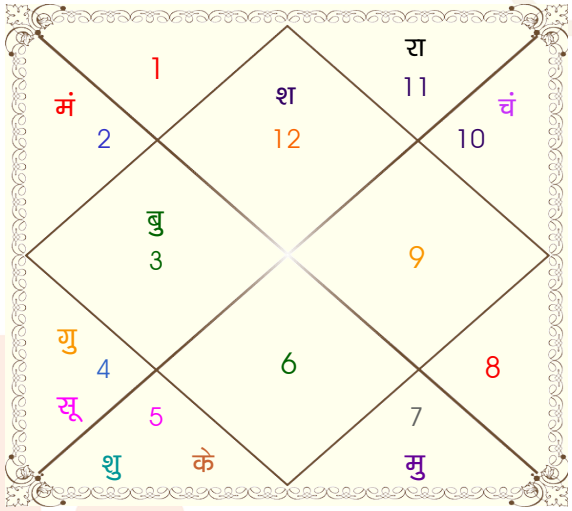

मासाधिपति : गुरु

इस मास में आप सामान्यतया अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे तथा शुभ फल अल्प मात्रा में होंगे। इस समय शत्रुपक्ष के प्रबल होने से उनसे आप कष्ट प्राप्त करेंगे तथा चिन्तित भी रहेंगे।साथ ही आपके घर में किसी प्रकार की चोरी भी हो सकती है अतः सतर्क रहें। इस मास में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य परिश्रम करने पर भी अल्प मात्रा में ही सफल हो सकेंगे तथा विभिन्न प्रकार से व्यवधान आते रहेंगे।साथ ही धन व्यय भी अधिक मात्रा में होगा जिससे आप आर्थिक दृष्टि से भी परेशान रहेंगे।धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आप उपेक्षा का भाव रखेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा एवं कई प्रकार से आपको शारीरिक कष्ट हो सकते है।साथ ही आपकी कोई दूर समीप की यात्रा भी हो सकती है। इसके अतिरिक्त सांसारिक कार्यो में भी आप असफल रहेंगे तथा किसी मुकद्दमे आदि में धन हानि की भी संभावना रहेगी जिससे मानसिक रूप से भी आप असन्तुष्ट रहेंगे।अतः सावधानी तथा बुद्धिमता से समय को व्यतीत करें।

परन्तु इस मास में समय समय पर आप शुभ फल भी अर्जित कर सकेंगे। इसके प्रभाव से आप स्त्री का पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे तथा बुद्धि में निर्मलता का भाव रहेगा जिससे आपके कई कार्य बुद्धिमता से पूर्ण होंगे तथा धनार्जन में भी आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी श्रद्धा का भाव रखकर समाज में आदर प्राप्त करेंगे।